

जार्ज कूपर - Geographical Review
1948.

An approach
towards a rational
classification of climate.

जार्ज कूपर ने जलवायु वर्गीकरण की योजना
1948 में ज्याॅग्राफिकल रीव्यू नामक पत्रिका में निम्नलिखित
पिढर शीर्षक पर "An approach towards a rational
classification of climate"

जार्ज कूपर के अनुसार वनस्पति एक प्रकार

का वैशमीर का मान करता है, इन्होंने बताया कि
वनस्पति का निर्धारण ताप और वर्षा की मात्राओं

वनस्पति निर्धारण
का मान माना है
वनस्पति का निर्धारण
ताप और वर्षा या
मात्राओं द्वारा
संभाव्य वाष्पोत्सर्जन
की मात्रा का
प्रमुख आधार है।

दाला न होकर संभाव्य वाष्पोत्सर्जन है, यही जलवायु
वर्गीकरण का प्रमुख आधार है। जार्ज कूपर के अनुसार
वाष्पोत्सर्जन तापीय दक्षता एवं आर्द्रता की हानि का एक
महत्वपूर्ण अधिफलक होता है। उदाहरणार्थ यदि किसी देश
में जल की अधिमात्रा उपलब्ध है तो वहाँ

वाष्पोत्सर्जन तापीय
दक्षता एवं आर्द्रता की
हानि का एक महत्वपूर्ण
अधिफलक होता है।

अधि वनस्पति विकसित हो सकती है, तथा इसके द्वारा ही
वाष्पोत्सर्जन एवं वाष्पोत्सर्जन की प्रतिशतों से आर्द्रता
की अधिमात्रा का व्युत्पन्न होता है।

इन्होंने संभाव्य वाष्पोत्सर्जन हेतु निम्न सूत्र

प्रतिपादन किया -

$$P.E = 1.6 \left(\frac{10t}{1} \right)^9$$

t → औसत मासिक तापमान

1 → प्रत्येक माह के ताप में औसत भाग का
भाग

a → स्थिरांक

संभावित वाष्पोत्सर्जन का प्रयोग तापमान के
आधार पर जलवायु वर्गीकरण हेतु चार कारक निर्धारित
रिज ? -

- 1) आर्द्रता की पर्याप्तता (moisture adequacy)
- 2) तापीय दक्षता (thermal efficiency)

$P.E = 1.6 \left(\frac{10t}{1} \right)^9$
An. temp. मासिक - t.

- 3) आर्द्रता की पर्याप्तता या नोकरी विषय (seasonal distribution of moisture adequacy)
- 4) तापीय दक्षता या ग्रीष्मकालीन ऊर्ध्व-इय (Summer concentration of thermal efficiency)

जानें कि आर्द्रता आर्द्रता पर्याप्तता तथा तापीय दक्षता में नती नोकरी विषयता पायी जाती है, और नती विषयता नतीता कि नोकरी गुणों में विकसित करता है, अतः इतरे नोकरी विषयताओं में भी जलवायु गरीकल्प या आर्द्रता माना गया है, नती में प्रयातन और नती में प्रयातन विषय रूप से माना जा सकता है -

$$l_m = 100 \frac{p}{p_e} - 1$$

$$l_m = \frac{100}{p_e} \frac{p}{p_e} - 1$$

मृदा नती विषय नतीता । माना .

$l_m \rightarrow$ नती पर्याप्तता

$p \rightarrow$ नती

उपरोक्त दोनों रूपों में विचारत 9 आर्द्रता तथा 9 तापीय दक्षता वाले प्रदेश बताया गया

रैंक	आर्द्रता प्रकार	नती रूपान्तर
A	आर्द्र आर्द्र	100
B ₄	आर्द्र	80 - 100
B ₃	आर्द्र	60 - 80
B ₂	आर्द्र	40 - 60
B ₁	आर्द्र	20 - 40
C ₂	नती उपाई	0 - 20
C ₁	शुष्क उपाई	- 33.3 किं 0
D	आर्द्र शुष्क	- 66.7 किं - 33.3
E	शुष्क (नती-कालीय)	- 100 किं - 66.7

संकेत	राजीव दस्ता	सिमावित्त बाण्डों वस्तु
A'	आदि कल्प	> 114
B ₄ '	कल्प	99.7 - 114
B ₃ '	"	85.5 - 99.7
B ₂ '	"	71.2 - 85.5
B ₁ '	"	57.0 - 71.2
c ₂ '	अन कल्प	42.7 - 57.0
c ₁ '	"	28.5 - 42.7
d'	दुष्प्रा	14.2 - 28.5
E'	दिन	< 14.2

राजीव दस्ता उत्तीक माली संकेतन के आधार पर 8 प्रश्न हैं

संकेत	संकेतन
a'	< 48
b ₄ '	48.0 - 51.9
b ₃ '	51.9 - 56.3
b ₂ '	56.3 - 61.6
b ₁ '	61.6 - 68.0
c ₂ '	68.0 - 76.3
c ₁ '	76.3 - 88.0
d'	> 88.0

आइस की मौल्य पदार्थों के आधार पर जलवायु के अन्य गैर रिक्त गैर, जो आठों की लाइली संख्या 3 -

आइस की परतों का मोलनी मिलान

आइस परतों का नाम	मोलनी मिलान
<u>7</u> <u>जल का मोलनी नहीं</u>	<u>0-10</u>
S <u>शीतकालीन आधा आइस</u>	10-20
W <u>शीतकालीन आधा आइस</u>	10-20
S ₂ <u>शीतकालीन आधा मोलनी</u>	20 के ऊपर
W ₂ <u>शीतकालीन आधा मोलनी</u>	> 20.

आइस परतों का नाम	मोलनी मिलान
d <u>जल की परत नगण्य</u>	0-16.7
S <u>शीतकालीन जल का आधा</u>	<u>16.7-33.3</u>
W <u>शीतकालीन जल का आधा</u>	<u>16.7-33.3</u>
S ₂ <u>शीतकालीन जल नहीं मोलनी</u>	33.3 के ऊपर
W ₂ <u>शीतकालीन जल नहीं मोलनी</u>	33.3 "

इन चार प्रकार के स्तरों का मिलान कर जाँचें कि एक संतुलित स्तर विकसित होकर आता है कि इन आधा परत 120 परतों में गंभीरता से प्रयोगों की आवश्यकता है।

E A' d a' → पहली परतें उच्च आंगीत भाग के परतों

C B' d a' → अधःस्थानीय परतें

महानगी के कारण आवश्यक मोलनी मिलान में एक महत्वपूर्ण जांच है, U.S.A. में देखा है कि इन आधा परत 50 के ऊपर में है

47

कृषि विभाजन की दिशा में कृषि महत्त्वपूर्ण विभाग
 सिंच, उदात्त लाभ जल संकलन विभाजन, अतिउत्पन्न
 स्तर कीट मृदा नमी स्तर, मोटाही विविधता कृषि
 विभाजन आदि 5 सूची आंतरिक मिलते हैं।

आलोचना -

- i) जलवायु मात्र उपचारों से तट कटाव किया
- ii) बायो-रिफॉर्मिंग विचारों से संशोधन एवं जटिल
- iii) बाड़ी से गलती से परिणाम में व्यापक कटाव.

मोपेन से अनुमान

मोपेन की जलवायु वर्गीकरण में तापमान
 और वर्षण की रफाचका से जलवायु प्रदेश का सीमांकन
 किया गया है, जबकि आर्किब्यूरो की जलवायु वर्गीकरण
 में जलवायु प्रदेश का निर्धारण P.E, ~~1000~~, 1000
 वर्षण प्रभाविता, तापीय प्रभाविता आदि से किया
 में खतरा किया गया है।

आंतरिक मोपेन की अपेक्षा अधिकतर
 छोटे - छोटे क्लाइमेटों का प्रयोग किया है।